जागरण मुजफ्फरपुर, 23 अगस्त 2015

मुजफ्फरपुर जागरण

www.jagran

से बचाने को
धान केंद्र की
पहल

मुजफ्फरपुर में खुला देश का पहला लीची बैंक

बिहार के अलावा
पंजाब, असोम व म
से कलेक्शन

बैंक में 39 वेरायटी का खुला खाता, 90 का टारगेट, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने दी है सहमति

केन्द्र में ग्रीन हाउस बनाकर रखे गए लीची के पौधे जागरण

अमरेन्द्र तिवारी, मुजफ्फरपुर

अब तक आप बैंक का मतलब धन संग्रह करने की जगह मानते रहे हैं। लेकिन अब देश स्तर पर लीची का पहला बैंक मुजफ्फरपुर में खुल गया है। यह जानकारी आपके लिए सुखद आश्चर्य का विषय जरूर होगी। जिले के मुशहरी प्रखंड के राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र परिसर में यह बैंक चल रहा है। केंद्र के निदेशक डॉ. विशालनाथ के अनुसार भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की सहमति के बाद देश के इस पहले लीची बैंक की स्थापना की गई है।

आइए, जानें क्या है लीची बैंक

अनुसंधान केंद्र परिसर में लीची के लिए फील्ड जीन बैंक बनाया गया है। इस बैंक में बिहार या इससे बाहर के बागों से खास तरह के पौधे लाकर शोध किया जाता है। बैंक में अब तक उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, असोम, महाराष्ट्र और पंजाब के साथ बिहार के विभिन्न जिलों से खास पौधे मंगाए गए हैं। सबको सुरक्षित रखकर शोध चल रहा है।

47 वेरायटी व 20 क्लोन जमा

47 वेरायटी व 20 क्लोन का निबंधन इस बैंक में हुआ है। 67 वेरायटी अब तक यहां जमा है। 39 वेरायटी के निबंधन के लिए नेशनल ब्यूरो ऑफ प्लांट जेनेटिक रिसोर्सेज को भेजा गया है। वहां से पहचान पत्र निर्गत होने के बाद शोध व उसके बाद सभी का वेरायटी नाम दिया जाएगा।

संरक्षण के लिए कदम

लीची के देसी वेरायटी को पर्यटन के बहाने विदेशी अपने साथ न ले जाएं इसलिए निबंधन जरूरी है। बायो पायरेसी रोकने के लिए ही यह कदम उठाया गया है। निबंधन के बाद हमारे देश की खास वेरायटी हमारी होगी और धीरे-धीरे लुप्त न होगी। उसका प्रचार-प्रसार भी होगा। अभी बैंक में उपलब्ध वेरायटी की खासियत यह है कि किसी में सामान्य फल से ज्यादा गुदा है तो किसी में बीज का आकार सामान्य से बहुत कम है तो कुछ में लाजवाब मिठास है।

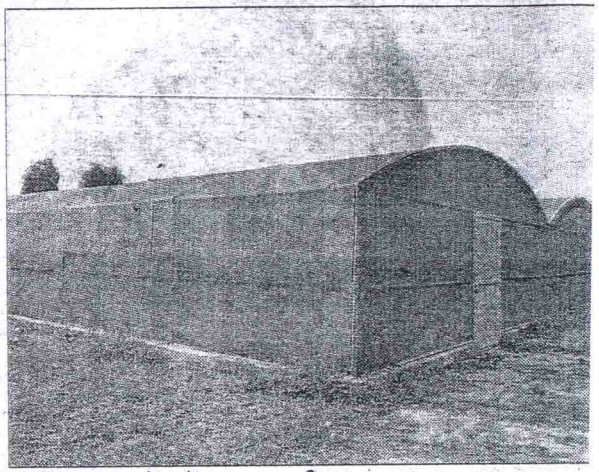

लीची अनुसंधान केंद्र में बनाया गया ग्रीन हाउस

लीची के लिए फील्ड जीन बैंक खोला गया है। इसका उद्देश्य लीची की खास वेरायटी को बचाना, उसको खास बनाना व भारतीय पौधे का संरक्षण करना है। इस बैंक की क्षमता तत्काल 80 वेरायटी की है। अगर किसी किसान को लगे कि उसके बाग में खास तरह का पौधा है तो इसकी सूचना दें, उसको सुरक्षित किया जाएगा।

-डॉ. विशालनाथ,
निदेशक, राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र मुजफ्फरपुर

इन किसानों ने रखी अपनी बात

- कांटी फुलकाहां के किसान दीपनारायण सिंह ने कहा कि लीची बहुत कम दिन की फसल है। सरकार की ओर से बाजार की बेहतर व्यवस्था होनी चाहिए।
- मुशहरी के किसान रोहित कुमार ने बताया कि जिले में लीची के लिए सरकार की ओर से कोल्ड स्टोरेज नहीं है। इसकी व्यवस्था हो तो किसानों को बेहतर मुनाफा होगा।
- मोतीपुर के मुकेश सहनी ने कहा कि मुजफ्फरपुर से लीची के सीजन में प्रतिदिन कोल्ड चेन वाला बड़ा वाहन दिल्ली, मुंबई, कोलकाता के लिए खुलना चाहिए। सरकार यह प्रयास करे तो किसानों को सही कीमत मिलेगी।

किसान इस हेल्पलाइन पर बताएं

अगर आपको लीची विस्तार की जानकारी लेनी हो तो लीची अनुसंधान केंद्र के मोबाइल फोन नंबर 9431813884 पर संपर्क करें। लीची खेती में आपकी उपर कोई समस्या हो तो दैनिक जागरण के मोबाइल नंबर 9431270044 पर बताए समस्या को प्रमुखता से प्रकाशित करने के साथ संबंधित अधिकारी तक पहुंचार